शाला पुस्तकालय के माध्यम से भाषा और साक्षरता विकास को बढ़ावा देना

इस बात के बहुत से प्रमाण हैं कि बच्चों की पुस्तकों तक पहुँच होने से उनकी भाषा सीखने और साक्षरता के विकास पर बहुत प्रभाव पड़ता है। यह स्पष्ट है कि स्कूल की लाइब्रेरी, बच्चों में भाषा के विकास को बढ़ावा देने से कहीं ज़्यादा कुछ करती है। पुस्तकालय, स्कूल का एक ऐसा स्थान बन सकता है जिसे उसके सभी सदस्य - शिक्षक, छात्र या अभिभावक - अपनी पसंदीदा जगह के रूप में देख सकते हैं। यह बच्चों और उनके शिक्षकों के लिए मिलने, एक-दूसरे का सहयोग करने, अनुसंधान करने, सीखने, साझा करने और अभ्यास करने का एक सामाजिक स्थान बन जाता है। हालांकि, इस हैंडआउट में, हम केवल भाषा और साक्षरता विकास को बढ़ावा देने में स्कूल पुस्तकालय की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ये अच्छी तरह से ज्ञात है कि जब छात्रों की पहुँच उन दिलचस्प पुस्तकों तक हो जाती है जिन्हें वे समझ सकते हैं तो अधिकांश छात्र उन्हें पढ़ते हैं।इससे उनकी शब्दावली, व्याकरण, लेखन-शैली और दुनिया की समझ बेहतर होती है (क्रशेन, 2014)।

हालांकि, उच्च गुणवत्ता वाले और दिलचस्प पुस्तकों तक बच्चों की पहुंच को आसान करना शिक्षक की कई ज़िम्मेदारियों में से बस एक है। भाषा के एक अच्छे शिक्षक और लाइब्रेरियन को पाठकों के लिए केवल किताबें ही नहीं लानी चाहिए, बल्कि पाठकों को किताबों तक भी लाना चाहिए। उन्हें बच्चों में पढ़ने के लिए रूचि पैदा करनी चाहिए, उन्हें प्रेरित करना चाहिए और पढ़ने की आदत विकसित करने में उनकी मदद करनी चाहिए। उन्हें बच्चों में पढ़ने और उनके द्वारा पढ़े जानेवाले पुस्तकों के बारे में सोचने के कौशल विकसित करने में उनकी मदद करने की आवश्यकता है । भाषा कक्षा में, पाठ को समझने में मदद करनेवाले इन कौशलों को वे सीख सकते हैं । पुस्तकालय में, शिक्षक उन्हें पढ़ रहे पाठ के बारे में सोचने और उससे ख़ुद को जोड़कर देखने के लिए कह सकते हैं। इससे वे उनपर प्रश्न पूछ सकते हैं, उसका व्यापकरूप से विश्लेषण कर सकते हैं, पाठ का अच्छे से जवाब दे सकते हैं और फिर अपने स्वयं के जीवन के लिए पढ़ना और लिखना सीख सकते हैं।

यह हैंडआउट भाषा-शिक्षकों और लाइब्रेरियन के लिए डिज़ाइन किया गया है जिनकी पहले से ही किसी पुस्तकालय तक पहुंच है, लेकिन इसके बेहतर इस्तेमाल के तरीक़े को वे सीखना चाहेंगे। यहां हमने विभिन्न आयुवर्गों के लिए पुस्तकालय को तैयार करने की गतिविधियाँ सुझाई हैं। एक पुस्तकालय की स्थापना के लिए दिशानिर्देश और एक ओपन लाइब्रेरी के सिद्धांतों को समझने के लिए, कृपया इन दस्तावेज़ों[1] को देखें।

1. [1] Baird, Nicola (2012). Setting up and Running a School Library. Heinemann.

1. रीड अलाउड (मुखर वाचन - 3 वर्ष या अधिक)

उद्देश्य - मुखर वाचन, बच्चों में सुनने और अवलोकन के कौशल को विकसित करने में मदद करता है। यह धाराप्रवाह पठन विकसित करने के साथ-साथ बच्चों को यह भी समझ देता है कि कहानी क्या है।

शिक्षक रीड अलाउड के माध्यम से आदर्श पठन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। पढ़ने के दौरान अक्सर सवाल पूछने के लिए रुकने से बच्चों को कहानी की बारीक़ियों को समझने में मदद मिलती है। यह एक ऐसा अवसर होता है जिसके माध्यम से बच्चों को आलोचनात्मक/तार्किक ढंग से पठन में शामिल होने की सभी प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलती है ।

प्रक्रिया - एक ऐसी किताब चुनें जो उन बच्चों की उम्र और कक्षा के लिहाज़ से उपयुक्त हो जिनके लिए आप रीड अलाउड कर रहे हैं। ऐसी किताब जो बच्चों के पठन स्तर से एक स्तर ऊपर की हो अर्थात जो बच्चों के लिए थोड़ी चुनौती भी प्रस्तुत करती हो, इसके लिए उपयुक्त हो सकती है । समूह के आधार पर यह छोटी कहानी की एक सरल किताब हो सकती है।

पठन गतिविधि प्रारंभ करने से पहले ये सुनिश्चित करें की बच्चे किसी ऐसी आरामदायक जगह पर बैठे हो जिसे वह पसंद करते हैं । यह जगह पुस्तकालय के अंदर या आपकी शाला प्रांगण में स्थित पेड़ की छाया भी हो सकती है। गतिविधि शुरू करते हुए सबसे पहले बच्चों को यह बताएं कि इस कहानी को पढ़ने/सुनाने के लिए आप कितने उत्साहित हैं। किताब के लेखक और चित्रकार का उल्लेख करें।

किताब के मुख्य/आवरण पृष्ठ पर कुछ देर रुककर बच्चों के साथ चर्चा करें। चर्चा के लिए निम्नांकित बिंदु सहायक हो सकते हैं-

- चित्र देखकर आपको क्या लगता है कि यह पुस्तक किस बारे में होगी?
- कहानी के शीर्षक को सुनकर क्या कहानी के बारे में कुछ अनुमान लगाया जा सकता है?
- आपके अनुसार यह एक सुखद कहानी है या कोई दुख वाली कहानी?
- आपको ऐसा क्यों लगता है?आदि।

कहानी पढ़ते हुए बीच-बीच में रुककर बच्चों से कुछ सवाल ज़रूर पूछें ताकि उनकी जिज्ञासा बनी रहे। साथ ही हमें यह समझने में भी मदद मिलेगी की बच्चे कहानी को कैसे समझ रहे हैं।

---

2. Mukunda, Usha (2012) Manual for an Open Library (unpublished) - Please reach out to eli@tiss.edu for copies of these.

बीच-बीच में रूककर बच्चों को कहानी से जोड़े रखने के लिए कुछ इस तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं-

- आपको क्या लगता है अब आगे क्या होगा?
- आप कहानी के इस पात्र के बारे में क्या सोचते हैं?
- क्या आप ये समझ पाए की अब तक कहानी में क्या हुआ ?
- अगर आप ऐसी स्थिति में होते तो क्या करते? आदि।

जब आप कहानी के अंत के क़रीब हों, तब बच्चों के साथ एक और चर्चा के लिए रुकें। अधिकांश कहानियों में कुछ रहस्य होता है । बच्चों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि कहानी कैसे समाप्त होगी । यह सवाल न केवल उन्हें कहानी को पुनः आरंभ से अब तक स्मरण के लिए प्रेरित करेगा,बल्कि कहानी में उनकी जिज्ञासा और रहस्य को भी जीवंत बनाए रखेगा।

जब आप कहानी का अंत पढ़नेवाले हों तब उनसे फिर से पूछें कि अगर वे इस कहानी के लेखक होते तो इसे कैसे समाप्त करते। उनसे पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी? कौन-सी घटना या कौन-सा पात्र सबसे अच्छा लगा? क्या वे कहानी के किसी भी पात्र के साथ ख़ुद को जोड़कर देख रहे थे? आदि।

सभी बच्चे उत्साही और पूरे समय धैर्य के साथ सुननेवाले नहीं हो सकते हैं । कभी-कभी कहानी सुनते हुए बच्चे कहीं और खो जाते हैं एवं अप्रासंगिक (जिनका संबंध कहानी से न हो) प्रश्न पूछते हैं। ऐसा होने पर हमें धैर्य रखने की आवश्यकता है ताकि वे धीरे-धीरे इस तरह की पठन गतिविधियों का आनंद लेना शुरू कर दें। ऐसे बच्चों या उनके सवालों को एकदम से ख़ारिज करने के बजाए बजाय, बच्चों को एक पुस्तक चुनने के लिए कहें जो आप उनके लिए बोल-बोलकर पढ़ सकें। यह भी पता करें कि वे किस तरह की कहानियों या विषयों को पसंद करते हैं ताकि ऐसी पठन गतिविधियों में रूचि के साथ शामिल हो सकें।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव -

● बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन-सी कहानी पढ़ाई जाए जिसे वे एक नाटक के रूप करना चाहेंगे। कहानी पर चर्चा करें और ग्रुप को एक स्क्रिप्ट तैयार करने में मदद करें। पात्रों के चुनाव के लिए चिट्स का उपयोग करें। कॉस्ट्यूम डिज़ाइनिंग, मास्क बनाने और कहानी मंचन में बच्चों को शामिल करें।

● कुछ सत्रों के बाद, जब बच्चे एक बार गतिविधि का आनंद लेना शुरू कर देते हैं तो उन्हें बारी-बारी से पढ़ने के लिए कहें।

● बच्चों को आपके द्वारा मुखर वाचन की गई किताबों को फिर से पढ़ने और उसपर बातें करने के लिए प्रोत्साहित करें जिसमें वे पढ़ने के अपने अनुभवों को स्कूल में बड़े दर्शक समूह के सामने बता पाएं।

● इन सत्रों के दौरान आपके द्वारा पढ़ी गई कहानियों पर आधारित एक क्विज़ आयोजित करें।

2. कहानी सुनाना - (सभी आयु वर्ग के बच्चे)

उद्देश्य - कहानी सुनाना कई संस्कृतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह कहानियों को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी में ले जाने का मौक़ा देता है । कक्षाकक्ष में भी कहानी सुनाने के दौरान सभी प्रतिभागी जब कहानी के पात्रों से ख़ुद को जोड़कर देखते हैं तो उनके बीच का परस्पर संबध मज़बूत होता है।

बच्चों को अपने घर से पुस्तकालय में कहानियों का एक संग्रह लाने के लिए प्रेरित करें। आप इसे समुदाय को साथ जोड़ने की एक गतिविधि बना सकते हैं। जो बच्चे लिख सकते हैं, उनके लेखन को प्रोत्साहित करने का यह एक शानदार अवसर है । जो नहीं लिख सकते हैं, उनकी सहायता कोई वयस्क या बड़े बच्चे कर सकते हैं । एक बार जब आपके पास कुछ कहानियाँ हो जाती हैं तो आप उन्हें बच्चों के साथ रंगमंच सामग्री, कठपुतलियाँ और चार्ट बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

3. हस्ताक्षर (साइन) करना (3 - 6 वर्ष की आयु-वर्ग के बच्चे)

उद्देश्य - यह सरल गतिविधि बच्चों को पंक्तियों, बिंदुओं या जो कुछ भी वे लिखते/उकेरते हैं, उनकी पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। क़लम / पेंसिल / क्रेयॉन / ब्रश के साथ की गई उनकी किसी भी प्रकार की लेखन गतिविधि को सम्मान देते हुए प्रोत्साहित करने से उनके लेखन-कौशल को विकसित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलती है। समय के साथ वे समझने लगते हैं कि लेखन का एक उद्देश्य है। यह गतिविधि छोटे बच्चों में मोटर कौशल (शुरूआती लेखन-कौशल) विकसित करती है।

प्रक्रिया - पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर आकर्षक चित्रों के साथ काग़ज़ की एक शीट लगाएं। इसके साथ ही कुछ रंगीन पेंसिल / क्रेयॉन / स्केच-पेन / स्पार्कलिंग रंगीन गोंद / पेंट भी वहाँ रखें। लाइब्रेरी में प्रवेश करने पर बच्चों को हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें पुस्तकालय की सदस्यता के लिए प्रेरित करें और अलग-अलग दिन, अलग-अलग सामग्रियों का इस्तेमाल करें। इसे वास्तविक लेखन के तौर पर सम्मान दें।

शुरूआत में बच्चों को यह थोड़ा कठिन लग सकता है। लिखने के दौरान उन्हें 'एक्ट (अभिनय)' करने के लिए प्रोत्साहित करें। अन्य बच्चों के ऐसे ही 'लेखन' को उदाहरण के तौर पर दिखाएं। यदि कुछ बच्चे वर्णमाला जानते हैं और अपने नाम का पहला अक्षर लिखते हैं तो उनकी भी सराहना करें! यहां तक कि बच्चे का प्रतिनिधित्व करनेवाली एक ड्राइंग को भी उस बच्चे का हस्ताक्षर माना जाना चाहिए। बच्चों को बताएं कि उनके द्वारा बनाए जानेवाले सभी प्रकार के चिन्हों की अहमियत है।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव -

● पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर रंगीन रेत के साथ एक ट्रे रखें और बच्चों को रेत पर हस्ताक्षर करने के लिए कहें।

● पेंट का एक डब्बा रखें जिसमें बच्चों को अपनी उंगली डुबाकर और लकड़ी / कैनवास / कपड़े के ब्लॉक पर निशान लगाकर अपनी प्रविष्टि दर्ज़ करने के लिए कहें।

● पुस्तकों की जांच के लिए पुस्तकालय कार्ड बनाएं और प्रत्येक बच्चे को उसके नाम और तस्वीर के साथ एक कार्ड सौंपें। उसे, उसके द्वारा पढ़ने के लिए उठाए गए पुस्तक का शीर्षक बताने के लिए कहें । शिक्षक / लाइब्रेरियन भी अलग से प्रत्येक बच्चे द्वारा पढ़ने के लिए उठाए गए पुस्तकों के नाम नोट करें।

● बच्चों के लिए आकर्षक बुकमार्क बनाएं।

4. **शब्दरहित चित्र-पुस्तक का उपयोग (3 - 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चे)**

उद्देश्य - शब्द रहित (वर्डलेस) चित्र पुस्तकें बच्चों के साथ जुड़ने का एक मज़ेदार तरीक़ा है। उनका उपयोग करने से आपको बच्चों में अवलोकन-कौशल, धारा-प्रवाहिता और कहानी की समझ विकसित करने में मदद मिलती है। धीरे-धीरे आप उन्हें बोली जानेवाली और लिखित शब्द की बारीक़ियों को भी समझा सकते हैं।

बच्चों को रंगीन चित्र पसंद आएंगी और वे समझ पाएंगे कि तस्वीरें भी 'बोलती हैं' या ' किसी कहानी को बताती हैं'। वे घटनाओं, कथानक और पात्रों के अनुक्रम और उनके भावों और भावनाओं को समझेंगे। साक्षरता और भाषा सीखने के लिए इन कौशलों का विकास महत्वपूर्ण है ।

प्रक्रिया - छोटे समूहों के साथ काम करें। आदर्श रूप में, आपके साथ पुस्तक देखनेवाले समूह में छह से आठ बच्चे होने चाहिए, इससे अधिक नहीं । इस तरह भाग लेनेवाले हर बच्चे पर आप पर्याप्त समय और ध्यान दे सकते हैं।

बच्चों के साथ एक सर्कल में बैठें। पुस्तक को बीचो-बीच रखें। उन्हें बताएं कि आप किताब को लेकर कितने उत्साहित हैं।

क) कवर के साथ शुरू करें और उससे जुड़े सवाल पूछें, जैसे -

- आप यहाँ क्या देख रहे हैं?
- यह पुस्तक किसके बारे में है?
- क्या हम देखें कि इसके अंदर क्या है?
- क्या आप इसे लेकर उत्साहित हैं?

इलस्ट्रेटर (चित्रकार) का नाम बताएं। यदि बच्चे पहली बार किसी चित्र पुस्तक को देख रहे हों तो उन्हें समझाएं कि इलस्ट्रेटर (चित्रकार) कौन होते हैं। इस अवसर का इस्तेमाल ये बताने के लिए करें कि चित्रकारी करना और सुंदर चित्र बनाना कितनी अच्छी बात है। वे भी ऐसा कैसे कर सकते हैं, इस बारे में बात करें। प्रत्येक चित्र-पुस्तक के साथ, विभिन्न चित्र-शैलियों के बारे में बात करें। यदि आप अक्सर ऐसा करते हैं तो बच्चे जल्द ही कुछ चित्रकारों की शैलियों को पहचान पाएंगे।

बी) एक समय में उन्हें पुस्तक का बस एक पृष्ठ ही दिखाते हुए आगे बढ़ें:

- प्रत्येक बच्चे को चित्रों को देखने का मौक़ा दें, ध्यान दें कि प्रत्येक बच्चा क्या कहता है।
- बच्चों ने जो कुछ कहा है, उसके आसपास बातचीत शुरू करने की कोशिश करें। इससे आपको यह समझने में मदद मिल सकती है कि प्रत्येक बच्चा इसके बारे में क्या सोच रहा है और इससे क्या सीख/समझ रहा है।
- उन बातों की ओर उनका ध्यान ले जाएं जो उनसे छूट गए हैं। यह कहानी का कोई पात्र हो सकता है, जो झाड़ियों के पीछे छिपा बैठा है और शरारती दिख रहा है। या फिर यह बाहर निकला कोई एक पैर या हाथ हो सकता है ताकि सस्पेंस बनाया जा सके! इस तरीक़े के सवाल पूछें, जैसे - यहाँ क्या हो रहा है?; यह कौन है?; वे क्या कर रहे हैं?; आगे क्या होगा?

ग) एक बार जब आप बच्चों के साथ पूरी पुस्तक पर चर्चा कर लेते है तो बच्चों से पूछें कि उन्होंने जो कुछ देखा था उसे संक्षेप में बताएं। फिर आप मॉडल करते हुए उन्हें दिखाएं कि एक कथा / कहानी कैसे बनाई जाती है।

कुछ बच्चे किताब को छूना और इसे ख़ुद से देखना चाह सकते हैं। इसके लिए पांच मिनट का समय रखें। हम उनके पुस्तक को छूने और महसूस करने के प्रयास की कितनी सराहना करते हैं, इसका अंदाज़ा इन्हीं इशारों से बच्चे लगाते हैं। ऐसा करते समय हम उन्हें यह भी दिखा सकते हैं कि किसी पुस्तक का रख-रखाव कैसे किया जाता है। उन्हें बताएं कि हम सभी को पुस्तक रखने का अधिकार है एवं हम सभी को उसकी ज़िम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इसपर बहुत सावधानी से चर्चा करने की आवश्यकता है ताकि बच्चों को डर न लगे।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव -

- बच्चों से कहें कि वे अपनी पसंदीदा किताब से अपनी मनपसंद चित्र को बनाने की कोशिश करें और उसमें रंग भरें।
- पुस्तक से पात्रों के मॉडल बनाने के लिए मिट्टी का उपयोग करें।
- चार्ट पेपर से पात्रों के मुखौटे बनाएं; आप बाद में समूह के साथ कहानी बनाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

5. न्यूनतम टेक्स्ट के साथ जिसमें चित्र के साथ बहुत कम शब्द लिखे हों का उपयोग (3 - 6 वर्ष की आयु-वर्ग के बच्चे)

प्रक्रिया - शुरू करने के लिए, प्रत्येक बच्चे को बहुत कम टेक्स्ट के साथ एक चित्र- पुस्तक दें। बुक कवर को देखने के लिए उन्हें लगभग 20 मिनट बिताने के लिए कहें। उन्हें प्रत्येक तस्वीर को देखने और समझने के लिए कहें कि चित्र क्या कहना चाह रहे हैं। फिर प्रत्येक बच्चे को किताब से चित्रों को दिखाकर पूरे ग्रुप को उसकी कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें।

छोटे बच्चों को बड़े समूह के सामने बोलना थोड़ा मुश्किल या असहज लग सकता है। बच्चे को धीरे-धीरे प्रोत्साहित करके कहानी सुनाने में मदद करें। प्रत्येक बच्चे को ख़ुद को व्यक्त करने में सक्षम बनाने के लिए समय और उपयुक्त माहौल दें। उनपर दबाव न डालें; वरना बच्चा रुचि खो सकता है। बच्चे को उस भाषा में बोलने के लिए प्रोत्साहित करें जिसमें वह सबसे अधिक सहज हो। ऐसा करने से कक्षा में एक बहुभाषीय वातावरण का निर्माण होता है और बच्चे को उसकी ख़ुद की भाषा में बोलने का आत्मविश्वास देता है।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव -

- बाद में दूसरे बच्चों को भी यही किताब दें और देखें कि अलग-अलग बच्चे कहानी को कैसे समझते हैं। इस तरह, आप देख पाएंगे कि अलग-अलग बच्चे कैसे विभिन्न दृष्टिकोणों से समझते हैं।
- उन किताबों को बोल-बोलकर पढ़ें जो बच्चों को अधिक आकर्षक लग रहे हों। अब तक उन्होंने चित्रों को देखा होगा और वे शायद सोच रहे होंगे कि वास्तविक कहानी क्या है! यह सुनकर उन्हें अंदाज़ा हो सकता है कि वे वास्तविक कहानी के कितने क़रीब थे। यह लाइब्रेरियन / शिक्षक और बच्चों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करता है - बच्चे पहले से ही पुस्तक से परिचित होते हैं और यह उन्हें ध्यान से सुनने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

● उन पुस्तकों का एक लॉग बनाए रखें जो प्रत्येक छात्र ने 'पढ़ा है' (इसे प्रिटेंड रीडिंग भी कहा जाता है) और उनके समूह के लिए आपके द्वारा पहले से चयनित किताबों में से और किताबें छांटने के लिए प्रोत्साहित करें ।

6. बुक इशुइंग कार्ड बनाना (5 वर्ष या इससे अधिक)

उद्देश्य - इससे बच्चों को अपनी संपत्ति के रूप में पुस्तकालय के पुस्तकों की ज़िम्मेदारी लेने का मौक़ा मिलता है। इससे छोटे बच्चों को यह समझने में मदद मिलती है कि लेखन का एक उद्देश्य रिकॉर्ड रखना भी है।

प्रक्रिया - प्रत्येक बच्चे को चार्ट पेपर की आधी शीट दें। सभी को कार्ड पर रंगीन बॉर्डर करने और उसके सबसे ऊपर अपना नाम लिखने को कहें। फिर उन्हें उसपर तीन कॉलम बनाने में मदद करें: एक, क्रम संख्या के लिए; दूसरा, किताब का नाम लिखने के लिए; और तीसरा, जब पुस्तक वापस आ जाए तब टिक करने के लिए। यदि बच्चा/बच्ची अभी तक पढ़ नहीं सकता/सकती है तो वह कवर से देखकर कुछ ड्राइंग बना सकता/सकती ।

प्रत्येक कक्षा के अंत में आप पुस्तकालय या कक्षा में कार्ड रख सकते हैं। बीच-बीच में इसपर चर्चा करें कि पुस्तकों और अन्य संसाधनों की देखभाल करना कितना महत्वपूर्ण है। क्षतिग्रस्त हो चुकी पुस्तकों की मरम्मत करने का समय भी आप बना सकते हैं। इस कार्य में बच्चों को भी शामिल करें।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव - बच्चों को कक्षा-पुस्तकालय के लिए एक बड़ा चार्ट बनाने के लिए प्रेरित करें जिसमें वे उन पुस्तकों का नाम लिख सकें जिसे वे पढ़ने के

लिए ले जाते हैं। इस चार्ट में छात्रों के नाम, पुस्तक-शीर्षक, क्रम-संख्या, ले जाने की तिथि और वापसी की तिथि के लिए कॉलम बनाए जा सकते हैं।

7. एक सरल कहानी लिखना या चित्र बनाना (6 वर्ष या इससे अधिक) -

उद्देश्य - यह गतिविधि लेखन को प्रोत्साहित करती है। साथ ही बच्चों में कहानी कहने के कौशल को विकसित करने में मदद करती है। आप कहानियों या चित्रों की समीक्षा करते हुए बच्चों को उनमें आवश्यक संशोधन करने और उन्हें प्रकाशित करने में मदद कर सकते हैं।

प्रक्रिया - छोटे बच्चों के लिए सरल विषयों वाली चित्र-पुस्तकें चुनें। जो बच्चे अभी लिख नहीं सकते, आप उन बच्चों की मदद कर सकते हैं ।

कुछ चित्र-पुस्तकें काफ़ी जटिल हैं और छात्रों को इसके इर्द-गिर्द कहानी बनाने के लिए बहुत सोचने की आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए, थोड़े बड़े बच्चों के लिए ऐसी किताबें आप चुन सकते हैं।

आप कक्षा को छोटे समूहों में विभाजित कर सकते हैं और प्रत्येक समूह पुस्तक के एक हिस्से पर काम कर सकता है। प्रकाशन से पहले उन्हें एक जगह संकलित जा सकता है।

बच्चों को उनकी अपनी गति से काम करने देना सबसे अच्छा होता है। प्रकाशित करने के लक्ष्य के साथ उन्हें काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। आप एक पुस्तक मेले का आयोजन कर सकते हैं। आप उनके ऐसे कामों का एक 'संग्रह' भी रख सकते हैं ताकि बच्चे जान सकें कि आप उनके काम को महत्व देते हैं।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव - बच्चों को अपनी कहानियां लिखने और समझाने के लिए प्रोत्साहित करें। आप इसे लेखन के एक प्रोजेक्ट का रूप दे सकते हैं। हर समूह इस पर एक निर्धारित समय तक काम कर सकता है और उनके द्वारा लिखी गई सभी कहानियों एवं बनाए गए चित्रों के साथएक पुस्तक बना सकता है।

8. पसंदीदा लेखक या चित्रकार को पत्र लिखना (6 वर्ष या इससे अधिक)

उद्देश्य - यह गतिविधि लेखन-कौशल विकसित करने और लिखने की प्रक्रिया को समझने, मसौदा तैयार करने, संशोधित करने और उसे अंतिम रूप देने में मदद करता है। वे अपने पत्र को पोस्ट भी कर सकते हैं।

प्रक्रिया - बच्चों को अपने पसंदीदा लेखकों / चित्रकारों की सूची बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे एक वयस्क की मदद से लेखक / चित्रकार के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर

सकते हैं। वे उनके डाक पता या ईमेल आईडी प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। आप उन्हें जोड़ो में यह गतिविधि करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। प्रत्येक जोड़ी चर्चा कर सकती है कि वे किस बारे में लिखना चाहते हैं। बच्चे कुछ चित्र बना सकते हैं या कुछ अन्य छोटे उपहार बना सकते हैं। समूह के पास कुछ अन्य विचार भी हो सकते हैं, इस बारे में उनसे पूछें!

छोटे बच्चे भी अपने पसंदीदा लेखकों को पत्र लिखना चाह सकते हैं। इसमें आप उनकी मदद कर सकते हैं। उन्हें आप इस प्रक्रिया से जोड़ें और समय के साथ उन्हें ख़ुद से ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें। कुछ लेखक आसानी से पहुँच में नहीं भी हो सकते हैं- उदाहरण के लिए, यदि लेखक इस दुनिया में अब नहीं है। इसके बावजूद आप उन्हें पत्र लिखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जिससे वे उन बातों को अभिव्यक्त कर सकें जो वे उन लेखकों के लिए कहना चाहते हैं।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव - यह एक समूह गतिविधि भी हो सकती है। पूरी कक्षा किसी पुस्तक के लेखक को पत्र लिख सकती है जो सभी छात्रों का पसंदीदा हो। इससे आपको पुस्तक पर विस्तार से चर्चा करने का मौक़ा मिलता है। प्रत्येक बच्चा लेखक के बारे में वे बातें बता सकता है जो उसे उनमें अच्छी लगती है। समूह के पास ऐसे प्रश्न भी हो सकते हैं जो वे लेखक / चित्रकार से पूछना चाहते हैं।

9. ख़ज़ाने की खोज (6 वर्ष या इससे अधिक)

यह गतिविधि बच्चों को पुस्तकालय के हर कोने और शेल्फ़ से परिचित कराने में मदद करती है। जब छोटे बच्चे पहली बार पुस्तकालय में प्रवेश करते हैं तो यह उनके लिए बहुत ही आश्चर्यचकित करनेवाली जगह हो सकती है। इसके अलावा इस गतिविधि से बच्चे यह भी समझ पाएंगे कि लिखित सामग्रियों को पढ़कर वास्तविक जीवन में उनका उपयोग किया जा सकता है ।

प्रक्रिया - कक्षा को तीन या चार के समूहों में विभाजित करें। समूहों की संख्या के अनुसार उतने सुराग़ (क्लू) बनाएं। पहली टीम को पहला सुराग़ (क्लू) दें। यह उन्हें एक पुस्तक की ओर ले जाता है जहाँ दूसरा सुराग़ छिपा है। अंतिम सुराग़ उस ख़ास किताब की ओर ले जाता है - जिसे आप आज उन्हें एक कहानी सुनानेवाले हैं या वह चित्र-पुस्तकों का एक सेट जिसे आज आप कक्षा दिखानेवाले हैं।

छोटे बच्चों के लिए सुराग़ बहुत सरल होना चाहिए। बड़े बच्चों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण सुराग़ हो सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए सुराग़ के कुछ उदाहरण हैं -

● ओरिगेमी के बारे में आपको किताबें कहाँ मिलेंगी? ओरिगेमी क्या है और यह कहां से शुरू हुआ?

● A से Z तक की पुस्तकें। जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें बस अपनी वर्णमाला जानना आवश्यक है! 'O' के बाद क्या आता है जो EGYPT शब्द में मौजूद है? एक तस्वीर खोजें।

थोड़े बड़े बच्चों के लिए -

● हमारा देश जिस उपमहाद्वीप में है, वहां पाई जानेवाली पक्षियों के बारे में पुस्तक कहाँ रखी है?

● आपको वह पुस्तक कहां मिलेगी जिसके दो महत्वपूर्ण पात्र सुअर और मकड़ी हैं?

● हमारे संविधान को लिखनेवाले के बारे में बच्चों की पुस्तक?

बच्चों को पुस्तकालय की सभी अलमारियों में क्या है, का पता लगाने दें। किताबों को लेकर हमें उनपर भरोसा करने की ज़रूरत है। किसी अलमारी को ताला लगाकर रखने की आवश्यकता नहीं है। दरवाज़ों वाली बंद अलमारियों के बजाय खुले रैक होना बेहतर होगा।

गतिविधि के विस्तार के लिए कुछ सुझाव - उन पुस्तकों को प्रदर्शित करें जिन्हें बच्चे 'ख़ज़ाने की खोज' खेल के दौरान पाते हैं। ये वे पुस्तकें हो सकती हैं जिन्हें बच्चों ने अभी-अभी खोजा है और वे उन्हें देखना चाहते हैं। फॉलोअप गतिविधि के रूप में एक पुस्तक-समीक्षा या पुस्तक-चर्चा का आयोजन करें।

Adapted from ELI Handout 3 (2019):" Promoting Language and Literacy Development Through School Libraries"

References

Krashen, S. (2014). Why invest in libraries. Retrieved from http://www.sdkrahen.com/content/artciles/why_invest_in_libraries.pdf

Luke, A., & Freebody, P. (1999). Further notes on the four resources model.

Clark, C. (2010). Linking school libraries and literacy. Retrieved from http://www.literacytrust.org.uk/assets/0000/5760/Linking_school_libraries_and_literacy_2010.pdf

Author: Harshita V. Das[2]

Editing: Chetana Divya Vasudev

Layout and Design: Harshita V. Das

[2] The author gratefully acknowledges critical input given by Ms. Usha Mukunda and the ELI team in preparation of this handout.